रणजीत टाइम्स

इंदौर

गुरुवार, 8 जनवरी, 2026

वर्ष 02 | अंक 10 कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

दिल्ली में आधी रात बवाल जमकर उत्पात

● पुलिस-एमसीडी टीम पर पथराव, 5 पुलिसकर्मी घायल ● अवैध निर्माण हटाने पहुंची थी पुलिस,5 उपद्रवी गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के रामलीला मैदान इलाके में मंगलवार रात फैज-ए-इलाही मस्जिद के पास अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान हिंसा भड़क गई। कुछ लोगों ने पुलिसकर्मियों पर पत्थर फेंके, जिससे 5 पुलिसकर्मी घायल हो गए। यह पूरा मामला तब शुरू हुआ जब

एक सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में दावा किया गया कि अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान मस्जिद को गिराया जा रहा है। इसके तुरंत बाद, कई लोग वहां जमा हो गए, और कुछ ने पुलिस और एमसीडी कर्मचारियों पर पत्थर और कांच की बोतलें फेंकीं। पुलिस ने मंगलवार रात प्रदर्शन कर रहे लोगों को हटाने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े। मामले में अब तक एक नाबालिग समेत 5 उपद्रवियों को हिरासत लिया गया है। एमसीडी के डिप्टी कमिश्नर विवेक कुमार ने कहा कि अभियान के दौरान एक डायग्नोस्टिक सेंटर और बैंक्वेट हॉल और दुकानों को तोड़ा गया है। मस्जिद को कोई नुकसान नहीं हुआ है। फैज-ए-इलाही मस्जिद की प्रबंधन समिति ने दिल्ली एमसीडी के 22 दिसंबर 2025 के आदेश को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी है। इसमें कहा गया कि मस्जिद के बाहर की 0.195 एकड़ जमीन पर बने ढांचे अवैध हैं। उन्हें हटाया जाएगा। एमसीडी का कहना है कि अतिरिक्त जमीन पर मालिकाना या वैध कब्जे के दस्तावेज पेश नहीं किए गए हैं। एमसीडी का यह आदेश 12 नवंबर 2025 को हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच के निर्देशों के आधार पर जारी किया गया।

सहज स्वभाव में स्थित व्यक्ति अजेय होता है : श्री माताजी

सहजयोग श्री माताजी निर्मला देवी जी द्वारा प्रतिस्थापित एक जीवंत वैज्ञानिक पद्धति है। सहजयोग कोई यौगिक अथवा शारीरिक क्रिया नहीं है वरन् सहजता से जीवन को जीना है। सहज रूप से जब हमारा योग अर्थात् जुड़ना परम शक्ति से हो जाता है तब हम सहजयोगी हो जाते हैं। सहजयोग कोई नई विचारधारा, संप्रदाय अथवा धर्म नहीं है यह तो संपूर्ण सृष्टि को चलायमान रखने वाला परमात्मा का यंत्र है। मनुष्य को परमशक्ति द्वारा बुद्धि प्रदान कर विचारों की स्वतंत्रता प्रदान की गई और इसी बुद्धि ने उसे असहज बना दिया। मानव जाति को इस भटकाव से बचाने के लिए अनेक अवतार, गुरु, व संत इस संसार में समय समय पर परमात्मा की इच्छा से अवतरित हुए और सभी ने सहजता की ही बात की व सहज जीवन को ही जिया। भारत में अनेकानेक ऐसे संत हुए हैं जो अपने गुणों के द्वारा देव तुल्य हो गए। ऐसे ही संत कबीर दास जी का नाम संतों की अग्रिम पंक्ति में लिया जाता है। जीवन की सहजता का वर्णन संत कबीर दास जी ने अपने दोहे में इस प्रकार किया है कि,

सहज सहज सब कोई कहै,सहज न चीन्हें कोय |

जिन सहजै विषया तजै, सहज कहावै सोय ||

अर्थात् सहज - सहज सब कहते हैं, परन्तु उसे समझते नहीं जिन्होंने सहजरूप से विषय - वासनाओं का परित्याग कर दिया है, उनकी निर्विषय- स्थिति ही सहज कहलाती है। कबीर दास जी द्वारा वर्णित इसी सहजता की प्राप्ति सहजयोग में श्री माताजी के सानिध्य व कृपा में आत्मसाक्षात्कार की प्राप्ति के पश्चात् होती है। हम अपने सहज स्वभाव में स्थित रहने लगते हैं व समस्त दुश्चिंताओं से शारीरिक कष्टों से मुक्ति संभव हो जाती है। इस का वर्णन करते हुए श्री माताजी ने कहा है कि, "जब आप भगवान के साम्राज्य में खड़े होते हैं खुशी के साम्राज्य में तो हर हाल में तुम राजा और रानी बनते हो। कोई भी आपको खरीद नहीं सकता या आप पर विजय प्राप्त नहीं कर सकता। आप सब कुछ जीत लेते हैं।" सहजयोग ध्यान का आनंद और अनगिनत लाभ लेने हेतु अपने नज़दीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 अथवा यूट्यूब चैनल लर्निंग सहजयोगा से प्राप्त कर सकते हैं।

समाजवादी पार्टी में बढ़ा जनाधार, कई नेताओं ने थामा दामन

अशोकनगर में समाजवादी पार्टी को उस समय बड़ी मजबूती मिली जब भाजपा छोड़कर अनेक नेताओं और कार्यकर्ताओं ने समाजवादी विचारधारा से प्रेरित होकर पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। यह कार्यक्रम पूर्व जिला अध्यक्ष एवं जिला प्रभारी गुना सुरेंद्र यादव (मुंगावली) के नेतृत्व में आयोजित हुआ, जिसमें समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मनोज यादव विशेष रूप से उपस्थित रहे।

इस अवसर पर डॉ. मनोज यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी का सदस्यता अभियान पूरे प्रदेश में जोर-शोर से चल रहा है और आमजन पार्टी की नीतियों से प्रभावित होकर जुड़ रहे हैं। उन्होंने आगामी 10 जनवरी को इंदौर में आयोजित विशाल धरना-प्रदर्शन को लेकर कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने का आह्वान किया। कार्यक्रम में असलम खान (सरपंच), हेमराज बरखेड़ा, दिनेश यादव (पठारी), फैय्यद खान सरपंच (राजपुर), विजय कुमार यादव सरपंच प्रतिनिधि (सेमरा), देवेंद्र यादव (करिया खेड़ी) एवं रामबचन सिंह ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता ली। संगठन विस्तार के क्रम में मुंगावली विधानसभा अध्यक्ष पद पर श्री मुलायम सिंह यादव (पिपरई) की नियुक्ति की गई। कार्यक्रम के दौरान जनहित के मुद्दों, आगामी राजनीतिक गतिविधियों और इंदौर में मंत्री के बंगले के घेराव को लेकर रणनीति पर चर्चा हुई। इस अवसर पर प्रदेश सचिव सुरेंद्र यादव (मुंगावली), जगराम सिंह यादव एवं विजय यादव (गुना) भी मौजूद रहे।

सच्चिदानंद अर्गल का नेशनल लॉ इंस्टिट्यूट यूनिवर्सिटी भोपाल में हुआ चयन, परिवार मे खुशी की लहर

दिव्यानंद अर्गल

ग्वालियर :- जब मेहनत जुनून में बदल जाए और लक्ष्य आंखों में बस जाए, तब कामयाबी खुद रास्ता बना लेती है, भिंड जिले के मेहगांव का बेटा सच्चिदानंद अर्गल (शैलू) ने कुछ ऐसा ही कर दिखाया है। 12 वीं मैथ्स का छात्र रहा सच्चिदानंद अर्गल (शैलू) ने कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट (सीएलएटी) में लगभग देशभर में 85 हजार छात्रों के बीच मे ऑल इंडिया रैंक-256 लाकर छोटे कस्बे का नाम रोशन कर दिया । सच्चिदानंद अर्गल ने न केवल अपने माता-पिता और विद्यालय, बल्कि पूरे जिले का मान बढ़ाया है। जैसे ही कंसोर्टियम ऑफ नेशनल लॉ यूनिवर्सिटीज की ओर से क्लैट परीक्षा जारी हुआ, बेटे की उपलब्धि की खबर से स्कूल और घर में खुशी की लहर दौड़ गई। देशभर से करीब लगभग 85 हजार विद्यार्थियों ने इस प्रतिष्ठित परीक्षा में हिस्सा लिया था। इतनी कड़ी प्रतिस्पर्धा में हासिल करना सच्चिदानंद की निरंतर मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास का प्रमाण है। इस सफलता के साथ ही अब सच्चिदानंद को देश के प्रतिष्ठित नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी भोपाल में पांच वर्षीय स्नातक विधि पाठ्यक्रम में प्रवेश मिल गया है, कक्षा 12वीं मैथ्स सब्जेक्ट से श्री रामजीलाल सीनियर सेकेंडरी स्कूल से उत्तीर्ण की, उसके बाद कॉमन लॉ टेस्ट की तैयारी करना शुरू दो वर्षों के अटैक प्रयासों के बाद आखिरकार सफलता हासिल हुई।

पढ़ाई के प्रति समर्पण ने बेटा सच्चिदानंद को इस मुकाम तक पहुंचाया

सच्चिदानंद अर्गल भिंड जिले के मेहगांव के निवासी हैं। परिवार का कहना है कि संस्कार, सकारात्मक वातावरण और पढ़ाई के प्रति समर्पण ने बेटा को इस मुकाम तक पहुंचाया। बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है और हर कोई इस बेटे की सफलता पर गर्व महसूस कर रहा है। सच्चिदानंद अर्गल की कहानी यह साबित करती है कि छोटे शहरों से भी बड़े सपने उड़ान भर सकते हैं । नियमित अध्ययन, विशेष कक्षाएं, मॉक टेस्ट और ऑनलाइन पढ़ाई से उसने तैयारी को मजबूत किया । सोशल मीडिया से दूरी बनाए रखना उसकी सफलता की बड़ी वजह रही। उन्होंने कहा कि अच्छी रैंक की उम्मीद थी, सच्चिदानंद की उपलब्धि यह संदेश देती है कि संसाधनों की सीमाएं भी दृढ़ इच्छाशक्ति के आगे छोटी पड़ जाती हैं। छोटे शहरों के लोग भी बड़े सपने देख सकते हैं और मेहनत व सही मार्गदर्शन से उन्हें साकार कर सकते हैं, जो सच्चिदानंद अर्गल ने कर दिखाया।

नगरपालिका अशोकनगर द्वारा दूसरे दिवस भी शहर की सड़कों से अतिक्रमण हटाये जाने की कार्यवाही की जा रही है। कलेक्टर आदित्य सिंह द्वारा आज गांधी पार्क से स्टेशन रोड की सड़क पर पैदल चलकर अतिक्रमण की कार्यवाही का जायजा लिया। साथ ही सड़क के दोनों ओर दुकानदारों द्वारा किए गए अतिक्रमण के विरुद्ध कार्यवाही किए जाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

शिवपुरीः 20 वर्षीय युवक दुर्गेश कुशवाहा दो दिन से लापता, पिता ने कोतवाली में दर्ज कराई शिकायत

शिवपुरी शहर के श्री राम कॉलोनी निवासी 20 वर्षीय दुर्गेश कुशवाहा बीते दो दिनों से घर से बिना बताए लापता है।

युवक के अचानक गायब हो जाने से परिवार में हड़कंप मचा हुआ है। दुर्गेश के पिता देवजीत कुशवाहा, जो कि तीन पहिया रिक्शा चलाकर परिवार का पालन-पोषण करते हैं, बेटे की तलाश में बेहद परेशान हैं। परिजनों ने आसपास के क्षेत्रों, रिश्तेदारों और जान-पहचान वालों के यहाँ काफी खोजबीन की, लेकिन अब तक दुर्गेश का कोई सुराग नहीं लग पाया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए देवजीत कुशवाहा ने शिवपुरी कोतवाली में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज करा दी है। पुलिस द्वारा युवक की तलाश शुरू कर दी गई है।

इस दौरान दुर्गेश के पिता ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी को भी दुर्गेश कुशवाहा के संबंध में कोई जानकारी मिले तो वह तुरंत परिवार या पुलिस को सूचित करें। उन्होंने यह भी कहा है कि सही जानकारी देने वाले को उचित इनाम दिया जाएगा। परिवार और पुलिस दोनों को उम्मीद है कि दुर्गेश जल्द ही सुरक्षित मिल जाएगा।

धोखाधड़ी कर शादी करने वाली 'लुटेरी दुल्हन' गिरफ्तार

झाबुआ पुलिस ने वैवाहिक धोखाधड़ी के एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश करते हुए कर्नाटक की एक 'लुटेरी दुल्हन' को गिरफ्तार किया है। इस गिरोह ने फरियादी से 4.50 लाख ठगकर फर्जी तरीके से शादी रचाई थी।

घटना का संक्षिप्त विवरणः

आवेदक देवेंद्र राठौर निवासी पेटलावद ने शिकायत दर्ज कराई थी कि मंजू और गीता जैन के माध्यम से उसकी शादी नागवा (निवासी धारवाड़, कर्नाटक) के साथ 18 नवंबर 2025 को संपन्न हुई थी। इसके बदले में आरोपियों ने 4.50 लाख की वसूली की थी। शादी के कुछ दिनों बाद दुल्हन जमीन विवाद का बहाना बनाकर कर्नाटक चली गई। दुल्हन के जाने के बाद आवेदक को एक व्यक्ति का फोन आया, जिससे पता चला कि नागवा पहले से शादीशुदा है और उसके दो बच्चे भी हैं। इतना ही नहीं, उसने आवेदक के बाद कर्नाटक में एक और व्यक्ति से भी शादी कर ली। वह अन्य साथियों के साथ मिलकर गिरोह चलाती है। पुलिस ने आवेदक की शिकायत पर धारा 318(4), 3(5) BNS के तहत अपराध पंजीबद्ध कर आरोपीया नागवा को गिरफ्तार कर लिया गया है।

वर्दी पर सवालः सड़क पर तीन सवारी, यातायात नियम तोड़ते पुलिसकर्मी कैमरे में कैद

जिन पर नियम लागू कराने की जिम्मेदारी, वही बने उल्लंघन का उदाहरण

शहर की सड़कों पर यातायात नियमों के पालन को लेकर रोज़ाना आम जनता पर सख्ती दिखाई जाती है, लेकिन सामने आई यह तस्वीर व्यवस्था की दोहरी नीति को उजागर करती है। फोटो में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि एक दोपहिया वाहन पर तीन सवार बैठे हैं, जिनमें पुलिस वर्दीधारी कर्मी भी शामिल हैं, जो स्वयं यातायात नियमों का उल्लंघन करते नजर आ रहे हैं। दोपहिया वाहन पर तीन सवारी बैठाना मोटर व्हीकल एक्ट का स्पष्ट उल्लंघन है। आम नागरिक यदि ऐसा करते पाए जाते हैं तो तत्काल चालान, जुर्माना और वाहन जब्ती तक की कार्रवाई होती है। ऐसे में जब खुद कानून के रखवाले इस प्रकार लापरवाही करते दिखें, तो आम जनता में कानून के प्रति सम्मान कैसे बना रहेगा—यह बड़ा सवाल है।

यह मामला केवल नियम तोड़ने का नहीं, बल्कि पुलिस की जिम्मेदारी और जवाबदेही का भी है। इस तरह की घटनाएं जनता को गलत संदेश देती हैं और यातायात व्यवस्था की गंभीरता पर प्रश्नचिह्न लगाती हैं। अब आवश्यकता है कि वरिष्ठ पुलिस अधिकारी इस मामले का संज्ञान लें और यह सुनिश्चित करें कि नियम सभी के लिए समान हों—चाहे वह आम नागरिक हो या वर्दीधारी कर्मचारी। तभी कानून का वास्तविक सम्मान और भय दोनों कायम रह पाएंगे

ऑपरेशन " ईगल क्लॉ" के अंतर्गत पुलिस थाना तेजाजीनगर जोन-1 की नशे के सौदागर के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही

इंदौर नगरीय क्षेत्र में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी व इनकी गतिविधियों में लिप्त बदमाशों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही के निर्देश पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह द्वारा दिए गए हैं। जिसके परिपेक्ष्य में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून/व्यवस्था) इंदौर श्री अमित सिंह व पुलिस उपायुक्त जोन-01 श्री कृष्णलाल चंदानी द्वारा प्रभारी अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जोन-01 इंदौर श्री दिशेष अग्रवाल व सहायक पुलिस आयुक्त आज़ाद नगर श्री रविन्द्र बिलवाल के मार्गदर्शन में अवैध मादक पदार्थों की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी के लिए ऑपरेशन " ईगल क्लॉ" के तहत सघन चेकिंग व पेट्रोलिंग के लिए थाना प्रभारी तेजाजीनगर को निर्देश दिये गये थे।

पुलिस थाना तेजाजी द्वारा दिनांक 06.01.2026 को थाना क्षेत्र में आऊटर कॉलोनी, बायपास का सघन भ्रमण एवं संदिग्धो की चैकिंग का पाईन्ट मिलने पर, पुलिस की एक चेकिंग टीम तेजाजीनगर, अनुराधा नगर, ए. बी. रोड बायपास पर भ्रमण करते हुये राऊ की तरफ जाने वाली सर्विस रोड होते हुये यादव ढांबा के पास पहुंची ,जहां यादव ढांबे के सामने सर्विस रोड पर एक ट्रक क्रमांक- पीबी13-आर-6587 का खड़ा हुआ था जो संदिग्ध दिखा, जिसके पास जाकर देखा तो ड्राईवर सीट पर एक व्यक्ति बैठा दिखा जिससे गाड़ी और उसके कागज के संबंध में पूछताछ करने पर वह घबराने लगा और ट्रक स्टार्ट करने का प्रयास करने लगा जिस पर शंका होने पर हमराह स्टाफ की मदद से तत्काल उसे पकडा और पकडे

गये व्यक्ति का नाम पता पूछने पर उसके द्वारा अपना नाम बुट्टा सिंह उम्र 50 वर्ष निवासी रूरका खुर्द तहसील फिल्लौर जिला जालंधर पंजाब का होना बताया। पुलिस द्वारा विधिवत ट्रक के केबिन की तलाशी लेने पर ट्रक में ड्राईवर के ऊपर बने बॉक्स में एक थैली के अन्दर हल्के भूरे रंग का दानेदार पावडर तिक्ष्ण गंध वाला डोडाचुरा जैसा मादक पदार्थ दिखा । बाद संदेही बुट्टा सिंह से ट्रक में अन्य जगह भी मादक पदार्थ डोडाचुरा रखे होने का पूछने पर स्वयं उसके द्वारा ट्रक के ऊपरी बाहरी हिस्से में टूल बॉक्स में एवं ट्रक के डिजल टैंक के खाली हिस्से में डोडाचूरा रखे होने का बताया। जिसके बताये अनुसार चेक करने पर ट्रक के ऊपरी बाहरी हिस्से में टूल बॉक्स में तथा ट्रक के डीजल टेंक के खाली हिस्से में अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा पावडर रखा होना पाया गया, जिसकी कुल मात्रा 87 किलोग्राम पाई गई। आरोपी बुट्टा सिंह के विरूद्ध धारा 8/15 एनडीपीएस एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर गिरफ्तार किया गया, जिसके विरुद्ध विवेचना के आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही हैं।

तरीका ए वारदात-

आरोपी तस्कर बुट्टा सिंह नि- जालंधर पंजाब ने ट्रक में एक अलग से नकली डीजल टैंक एवं केबिन बना रखा था जिसमें डीजल के स्थान पर अवैध मादक पदार्थ डोडा चूरा भरकर तस्करी को अंजाम देता था। और तस्करी करने का यह तरीका उसे फ़िल्म देखकर आया था। वह पंजाब से ट्रक लेकर मध्यप्रदेश में जिला आगर मालवा से अवैध मादक पदार्थ डोडा चूरा भरकर वापस इन्दौर से ट्रांसपोर्ट का अन्य माल भरकर वापस पंजाब जा रहा था। तस्कर ने पूछताछ में एक बार और इस तरह मादक पदार्थ ले जाना स्वीकार किया है

जप्त माल का विवरण

आरोपी से 87 किलोग्राम डोडा चूरा व एक ट्रक अशोक लिलेण्ड कम्पनी का कुल मश्रुका 35 लाख रूपये बरामद।

सम्पूर्ण कार्यवाही घटनास्थल पर ही नए कानून बी.एन.एस.के अंतर्गत ऑडियो वीडियो साक्ष्य संकलन की कार्यवाही ई-साक्ष्य एप के माध्यम से कराई गई। गिरफ्तार आरोपी के विरूध्द थाना तेजाजीनगर इन्दौर पर अप.क्र. 009/2026 धारा 8/15 एनडीपीएस एक्ट का कायम किया गया हैं। आरोपी से अवैध मादक पदार्थ डोडा चुरा के क्रय विक्रय व परिवहन करने के संबंध में पूछताछ की जा रही हैं। उपरोक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी तेजाजीनगर निरीक्षक देवेन्द्र मरकाम, उनि अविनाश नागर, उनि ए. आर. खान सउनि हरीश दवे, आर. 1528 अरूण घुरय्या, आर. 1527 कैलाश विश्वकर्मा, आर. 4102 चन्दर सिंह, आर. 4060 धर्मेन्द्र जाट की सराहनीय भूमिका रही ।

क्राइम ब्रांच इंदौर पुलिस की अवैध मादक पदार्थ के विरुद्ध कार्यवाही में एक और फरार आरोपी गिरफ्तार

इंदौर पुलिस कमिश्नरेट में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं उनकी गतिविधियों में संलिप्त बदमाशों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही के निर्देश इंदौर पुलिस आयुक्त द्वारा दिए गए हैं।

इसी अनुक्रम में क्राइम ब्रांच टीम द्वारा दिनांक 30.12.2025 को गिरफ्तार आरोपी दानिश शेख से मिली जानकारी एवं मुखबिर सूचना के आधार पर एक और फरार आरोपी को गिरफ्तार किया जो कि मादक पदार्थ अन्य जिलों से खरीदकर इंदौर शहर में सप्लायरों को उपलब्ध करवाता था।प्रकरण में पूर्व में आरोपी से 10.15 ग्राम अवैध मादक पदार्थ "ब्राउन शुगर बरामद की गई थी जिसकी अगली कड़ी में पूछताछ करते आरोपी बिलाल खान नि कोहिनूर कॉलोनी इंदौर की जानकारी मिली जो कि घटना दिनांक से फरार था। जिसे चिन्हित कर गिरफ्तार किया गया।

पुलिस कार्यवाही- आरोपी के विरुद्ध थाना अपराध शाखा में अपराध क्रमांक 223/25 धारा 8/21 NDPS एक्ट के तहत् अपराध पंजीबद्ध कर, विवेचना के आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही हैं ।

रेट्रो रिफ्लेक्टर रेडियम टेप वाहनों पर लगाए गए

-प्रदीप सिंह बघेल

शहडोल पुलिस अधीक्षक श्री रामजी श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में जिले में सड़क सुरक्षा-जीवन रक्षा थीम पर राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह चलाया जा रहा है। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का उददेश्य सड़क दुर्घटनाओ में कमी लाना है। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह अंतर्गत सूबेदार प्रियंका शर्मा के नेतृत्व में कृषि कार्य में संलग्न ट्रैक्टर एवं ट्रालियों तथा माइनिंग सेक्टर में प्रयुक्त डंपर एवं डग्गियों में यातायात पुलिस द्वारा रेट्रो रिफ्लेक्टर रेडियम टेप लगाए गए। यह कार्य रात्रि के समय इन भारी एवं धीमी गति से चलने वाले वाहनों की दृश्यता बढ़ाने के उद्देश्य से किया जा रहा है, जिससे अन्य वाहन चालकों को समय रहते संकेत मिल सके और सड़क दुर्घटनाओं की आशंका को कम किया जा सके। सूबेदार ने वाहन चालकों को समझाइश दी कि रेट्रो रिफ्लेक्टर का उपयोग न केवल कानूनी आवश्यकता है, बल्कि यह स्वयं की तथा अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है। साथ ही वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने एवं रात्रि में विशेष सावधानी बरतने की समझाइश दी गई।

दर्दनाक हादसा: उद्योगपति अनिल अग्रवाल के पुत्र अग्निवेश अग्रवाल का अमेरिका में निधन

नई दिल्ली / न्यूयॉर्क। आज का दिन वेदांता समूह के चेयरमैन अनिल अग्रवाल और उनके परिवार के लिए जीवन का सबसे दर्दनाक दिन बन गया। उनके 49 वर्षीय पुत्र अग्निवेश अग्रवाल अब हमारे बीच नहीं रहे। एक पिता के कंधे पर बेटे की अर्थी उठना-इससे बड़ा दुःख शायद कोई नहीं हो सकता। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अग्निवेश अग्रवाल अपने एक मित्र के साथ अमेरिका में स्कीइंग (Skiing) के लिए गए थे। इसी दौरान एक दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना हो गई, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तत्काल Mount Sinai Hospital, New York में भर्ती कराया गया, जहाँ उनका इलाज चल रहा था। परिवार को उम्मीद थी कि हालात सुधर रहे हैं और अग्निवेश जल्द स्वस्थ होकर लौटेंगे। लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। इलाज के दौरान अचानक कार्डियक अरेस्ट आया और अग्निवेश अग्रवाल ने अंतिम सांस ली।

पटना से शिखर तक का सफ़र

3 जून 1976, पटना — वह दिन जब एक मिडिल क्लास बिहारी परिवार में जन्मे अग्निवेश ने इस दुनिया में कदम रखा। पिता अनिल अग्रवाल के शब्दों में, "वह पल आज भी मेरी आँखों के सामने जीवित है।" बचपन में अग्नि अपनी माँ के बेहद दुलारे थे चंचल, शरारती, हमेशा हँसते-मुस्कुराते। दोस्तों के बीच यारों का

यार, और अपनी बहन प्रिया को लेकर बेहद संवेदनशील और रक्षक भाव रखने वाले भाई।

शिक्षा, व्यक्तित्व और उपलब्धियाँ अग्निवेश अग्रवाल ने Mayo College, Ajmer से शिक्षा प्राप्त की। उनका व्यक्तित्व बहुआयामी था - Boxing Champion Horse Riding के शौकीन प्रतिभाशाली Musician कॉरपोरेट जगत में उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई। उन्होंने Fujeirah Gold जैसी अंतरराष्ट्रीय स्तर की कंपनी खड़ी की और भारत की प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी Hindustan Zinc के चेयरमैन के रूप में भी अहम भूमिका निभाई।

सफलता के बावजूद सादगी इतनी उपलब्धियों के बावजूद अग्निवेश अग्रवाल की सबसे बड़ी पहचान उनकी सादगी, विनम्रता और इंसानियत थी। वह दिखावे से दूर, ज़मीन से जुड़े और हर किसी से सहजता से मिलने वाले व्यक्ति थे। पिता अनिल अग्रवाल ने भावुक शब्दों में कहा कि "अग्निवेश सिर्फ मेरा बेटा नहीं था, वह मेरे सपनों, मेरे मूल्यों और मेरी सोच का हिस्सा था।" एक अपूरणीय क्षति अग्निवेश अग्रवाल का असमय जाना केवल एक परिवार की नहीं, बल्कि उद्योग जगत, समाज और उन सभी लोगों की अपूरणीय क्षति है जो उन्हें एक सरल, संवेदनशील और दूरदर्शी इंसान के रूप में जानते थे।

Ranjeet Times

श्रद्धांजलि के साथ विनम्र नमन

ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति दे और परिवार को यह असहनीय दुःख सहने की शक्ति प्रदान करे।

कार्तिक मेला ग्राउंड में हिंसक बवाल, दो गुटों में जमकर लाठी-डंडे और पत्थर चले, पुलिसकर्मी भी घायल

उज्जैन। शिप्रा नदी के किनारे स्थित कार्तिक मेला ग्राउंड मंगलवार शाम अचानक हिंसा का अखाड़ा बन गया। यहां रहने वाले अलग-अलग समुदायों के डेरों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि देखते ही देखते दो गुट आमने-सामने आ गए और जमकर लाठी-डंडे चलने लगे। हालात काबू से बाहर होते देख मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस बल को तैनात करना पड़ा। इस दौरान अफरा-तफरी में गिरने से एक पुलिसकर्मी भी घायल हो गया, जबकि मारपीट में कई लोगों को चोटें आई हैं। जानकारी के अनुसार कार्तिक मेला ग्राउंड में पारदी, सांठिया, कंजर और गाडोलिए समाज के लोग लंबे समय से तंबू लगाकर रह रहे हैं। ये लोग महाकाल मंदिर और काल भैरव मंदिर क्षेत्र में फेरी लगाकर माला, रुद्राक्ष और अन्य धार्मिक सामग्री बेचने के साथ-साथ अलग-अलग तरह का छोटा व्यापार और भिक्षावृत्ति करते हैं। शिप्रा किनारे बसे इन डेरों में आए दिन छोटे-मोटे विवाद होते रहते हैं, लेकिन मंगलवार को मामला हिंसक रूप ले बैठा। बताया गया है कि मंगलवार शाम करीब आधा दर्जन युवक, जो अलग-अलग डेरों से ताल्लुक रखते थे, खुले मैदान में बैठकर शराब पी रहे थे। इसी दौरान आपसी कहासुनी शुरू हुई, जो धीरे-धीरे झगड़े में बदल गई। विवाद की खबर मिलते ही आसपास के डेरों से बड़ी संख्या में महिलाएं और पुरुष बाहर निकल आए और दोनों पक्षों के बीच मारपीट शुरू हो गई। कुछ ही देर में लाठी-डंडे चलने लगे, लात-घूंसे चले और पत्थरबाजी भी हुई, जिससे इलाके में दहशत का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभालने का प्रयास किया। इसी दौरान भगदड़ जैसी स्थिति बन गई, जिसमें गिरने से एक पुलिसकर्मी घायल हो गया। झड़प में घायल हुए लोगों को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय भेजा गया, जहां सभी को प्राथमिक उपचार दिया गया है। राहत की बात यह रही कि किसी को गंभीर चोट नहीं आई। थाना प्रभारी गगन बादल ने बताया कि शिप्रा नदी के पास खुले मैदान में अलग-अलग समाज के लोग तंबू लगाकर रहते हैं और माला बेचने, फेरी लगाने व भिक्षावृत्ति जैसे कार्य करते हैं। आपसी विवाद के दौरान दो लोगों को चोट आई है, वहीं एक पुलिसकर्मी भी गिरने से घायल हुआ है। दोनों पक्षों के करीब आधा दर्जन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया जा रहा है। वहीं सीएसपी राहुल देशमुख ने बताया कि कार्तिक मेला ग्राउंड में कुछ युवक शराब पी रहे थे, इसी दौरान आपसी विवाद इतना बढ़ गया कि उन्होंने एक-दूसरे पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। घटना में कुछ लोग घायल हुए हैं, जिन्हें उपचार दिया जा रहा है। फिलहाल किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है और पूरे मामले की जांच की जा रही है। घटना के बाद कार्तिक मेला ग्राउंड और आसपास के इलाके में पुलिस की निगरानी बढ़ा दी गई है, ताकि दोबारा किसी तरह का उपद्रव न हो।

पीएचई विभाग के कार्यपालन यंत्री को लोकायुक्त सागर ने डेढ़ लाख की रिश्वत लेते रंगे हाथों किया गिरफ्तार

सागर। लोकायुक्त पुलिस सागर की टीम ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) विभाग के एक भ्रष्ट अधिकारी को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। कार्रवाई में कार्यपालन यंत्री को उसके ड्राइवर के माध्यम से 1 लाख 50 हजार रुपये की घूस लेते पकड़ा गया। लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक योगेश्वर शर्मा ने बताया कि राजघाट रोड निवासी शैलश कुमार, जो पीएचई विभाग में शासकीय ठेकेदार हैं, ने कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि पीएचई विभाग सागर के प्रभारी कार्यपालन यंत्री संतोषी लाल बाथम द्वारा कार्य आदेश जारी करने और पुराने बिलों के भुगतान के बदले रिश्वत की मांग की जा रही है। शिकायतकर्ता के अनुसार सागर जिले में वर्ष 2022 से जल जीवन मिशन के अंतर्गत कार्य किए जा रहे थे, जिनमें कुछ कार्य अधूरे रह गए थे। शासन द्वारा इन कार्यों को पुनरीक्षित किए जाने के बाद उन्हें पूरा करने के लिए ठेकेदारों से सहमति मांगी गई। सहमति देने पर शैलश कुमार ने लगभग 2 करोड़ 16 लाख 52 हजार रुपये की बिल ऑफ क्वांटिटी राशि का 5 प्रतिशत एफडीआर के माध्यम से शासन को जमा किया। इसके बावजूद कार्यपालन यंत्री ने पुनरीक्षित कार्यों के आदेश और पुराने बिलों के भुगतान के एवज में साढ़े तीन प्रतिशत यानी करीब 6 लाख रुपये रिश्वत की मांग की। लोकायुक्त पुलिस ने शिकायत का सत्यापन कराया, जिसमें रिश्वत मांगने की पुष्टि हुई। इसके बाद कार्यपालन यंत्री ने पहली किश्त के रूप में 1 लाख 50 हजार रुपये देने को कहा। तय योजना के अनुसार 7 जनवरी को लोकायुक्त टीम ने ट्रैप कार्रवाई की और आरोपी कार्यपालन यंत्री संतोषी लाल बाथम को अपने वाहन चालक फूल सिंह यादव के माध्यम से रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत आगे की कार्रवाई की जा रही है।

प्रदेशभर में संपत्ति अपराधों पर पुलिस का बड़ा एक्शन, एक करोड़ से अधिक की चोरी-लूटी संपत्ति बरामद

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस ने नकबजनी, लूट, डकैती और वेयरहाउस चोरी जैसे मामलों में बीते दो दिनों में बड़ी सफलता हासिल की है। अलग-अलग जिलों में की गई कार्रवाई में पुलिस ने कई मामलों का खुलासा करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया और एक करोड़ रुपये से अधिक की चोरी व लूटी गई संपत्ति बरामद की है। जबलपुर के पनागर क्षेत्र में हुई लूट की घटना में गठित विशेष टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर करीब 30 लाख रुपये के सोने-चांदी के आभूषण, नकद राशि, वाहन और मोबाइल फोन जब्त किए। मंदसौर के दलौदा क्षेत्र में वेयरहाउस चोरी के मामले में योजनाबद्ध वारदात का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने गिरोह को पकड़कर लगभग 300 क्विंटल गेहूं, तीन पिकअप वाहन और डुप्लीकेट चाबियां जब्त कीं, जिनकी कीमत 50 लाख रुपये से अधिक आंकी गई है। मैहर में नकबजनी के एक मामले में पुलिस ने 5 लाख रुपये के जेवरात बरामद किए, जबकि भोपाल के कोलार रोड क्षेत्र में दिनदहाड़े हुई चोरी का खुलासा कर दो शातिर नकबजनों को गिरफ्तार करते हुए करीब 4 लाख रुपये का इलेक्ट्रॉनिक सामान बरामद किया गया। मंडला जिले में डकैती की घटना में मुख्य आरोपी सहित पांच लोगों को गिरफ्तार कर 5 लाख 77 हजार रुपये की संपत्ति जब्त की गई। वहीं अनूपपुर में पी एंड जी कंपनी के गोदाम में हुई नकबजनी में कंपनी के एक कर्मचारी सहित चार आरोपियों को पकड़कर करीब 6 लाख रुपये का चोरी किया गया माल बरामद किया गया। मध्यप्रदेश पुलिस ने आमजन से अपील की है कि संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत नजदीकी थाने या डायल-112 पर दें, ताकि अपराधों पर समय रहते कार्रवाई की जा सके।

बच्चों के बचपन में पेरेंट्स को भूलकर भी नहीं करनी चाहिए ये 5 गलतियां

हर माता-पिता अपने बच्चे की खुशी के लिए अच्छी से अच्छी परवरिश करना चाहते हैं. लेकिन कई बार कुछ सिखाने और लाड-प्यार के कारण पेरेंट्स जाने-अनजाने कुछ ऐसी गलतियां कर बैठते हैं जो बच्चे के भविष्य पर काफी ज्यादा नेगेटिव असर डालती है. हर मां-बाप को ध्यान रखना चाहिए कि एक बच्चे का बचपन ही उसके पूरे जीवन की नींव होता है. इस दौरान की गई छोटी से छोटी लापरवाही बच्चे के फ्यूचर पर मानसिक और भावनात्मक रूप से नेगेटिव प्रभाव डाल सकती है. ऐसी गलतियों से बच्चों का आत्मविश्वास टूट सकता है और वे डरपोक भी बन सकते हैं. इसी कड़ी में आज हम आपको 5 ऐसी पेरेंटिंग गलतियों के बारे में बताने जा रहे हैं जो माता-पिता अक्सर करते हैं. इन गलतियों से बच्चों को बड़े होकर काफी ज्यादा परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है.

बड़े होकर हो सकती हैं कई परेशानियां

1. दूसरों से तुलना

कई बार जब बच्चों की पढ़ाई या खेल-कूद में अच्छी परफॉर्मेंस नहीं रहती है तो पेरेंट्स दूसरे बच्चों से तुलना करते हैं. इससे बच्चे खुद को दूसरों से काफी कम समझना शुरू कर देते हैं, जो कि काफी गलत है. इससे बच्चों का कॉन्फिडेंस भी टूट सकता है. ऐसे में दूसरों से तुलना करने की जगह आप बच्चों की तारीफ और प्रोत्साहित करें.

2. हमेशा कंट्रोल करने की आदत

कई माता-पिता अपने बच्चों को छोटी-छोटी चीजों पर काफी ज्यादा टोकते हैं या फिर उन्हें कंट्रोल करना शुरू कर देते हैं. हालांकि बच्चों को सीखाना और गलतियों पर समझाना भी काफी जरूरी होता है. लेकिन बार-बार एक ही चीज को लेकर कंट्रोल करने से उनकी डिसीजन लेने की क्षमता काफी कमजोर हो सकती है. ऐसे में बच्चों को दूसरों पर निर्भर रहने की आदत पड़ जाती है.

3. प्यार न दिखाना

अक्सर पेरेंट्स ये सोचते हैं कि ज्यादा लाड-प्यार दिखाने से बच्चा बिगड़ सकता है या फिर गलत फायदा उठा सकता है. लेकिन सच्चाई ये है कि मां-बाप के प्यार दिखाने से बच्चे खुद को मानसिक रूप से मजबूत और सुरक्षित महसूस करते हैं. ऐसे में आप बच्चों के बचपन में उन्हें प्यार दिखाने में बिल्कुल भी कंजूसी न करें.

4. बच्चों की फीलिंग्स को न समझना

छोटे बच्चे अक्सर छोटी-छोटी बातों पर रोना शुरू कर देते हैं और इसपर पेरेंट्स उन्हें डांट देते हैं कि इतनी छोटी बात पर रो क्यों रहे हो? पेरेंट्स का ये व्यवहार बच्चों पर काफी नकारात्मक प्रभाव डालता है. इससे वे अपने इमोशन्स दबाना सीख जाते हैं और छोटी से लेकर बड़ी बातों को माता-पिता से छिपाना शुरू कर देते हैं. ऐसे में पेरेंट्स को बच्चों की फीलिंग्स समझना काफी जरूरी है.

5. परफेक्शन की चाहत

हर मां-बाप चाहते हैं कि उनका बच्चा पढ़ाई से लेकर खेल तक हर फील्ड में टॉप परफॉर्मर रहे. लेकिन कई बार परफेक्शन का दबाव बच्चों में फेल होने का डर बढ़ा देता है. ऐसे में पेरेंट्स को बच्चों पर परफेक्शन का दबाव बनाने से बचना चाहिए.

जो भी पढ़ेंगे सब रहेगा याद बस पढ़ाई से पहले बच्चों को पिलाएं ये ब्रेन बूस्टिंग शेक

अक्सर माता-पिता की शिकायत होती है कि बच्चे पढ़ाई तो करते हैं, लेकिन उन्हें याद नहीं रहता। इसकी एक बड़ी वजह कमजोर याददाश्त और कम एकाग्रता हो सकती है। ऐसे में बच्चों की डाइट में सही पोषण शामिल करना बहुत जरूरी है। सर्टिफाइड न्यूट्रिशनिस्ट राजमनी पटेल ने एक आसान और हेल्दी ब्रेन बूस्टिंग शेक की रेसिपी शेयर की है, जिसे पढ़ाई से पहले पीने पर बच्चों की मेमोरी और फोकस बेहतर हो सकता है।

क्या है ब्रेन बूस्टिंग शेक?

यह शेक पूरी तरह नेचुरल चीजों से बनाया जाता है, जो दिमाग को एक्टिव रखने, याददाश्त मजबूत करने और पढ़ाई के समय ध्यान बढ़ाने में मदद करता है। इसे सुबह नाश्ते में या शाम को पढ़ाई से पहले दिया जा सकता है।

ब्रेन बूस्टिंग शेक की सामग्री

1 पका हुआ केला
5-6 अखरोट (भीगे हुए)
1 गिलास दूध
1 चम्मच शहद या 1-2 खजूर
1 चुटकी दालचीनी पाउडर

कैसे बनाएं यह शेक?

सबसे पहले अखरोट को रातभर या कम से कम 4-5 घंटे पानी में भिगो दें। अब ब्लेंडर में केला, भीगे हुए अखरोट, दूध और शहद या खजूर डालें। सभी चीजों को अच्छी तरह ब्लेंड करें, जब तक शेक स्मूद और क्रीमी न हो जाए। अंत में ऊपर से थोड़ा दालचीनी पाउडर डालें और शेक तैयार है। इसे ठंडा या सामान्य तापमान पर पिलाया जा सकता है।

क्यों है यह शेक बच्चों के लिए फायदेमंद?

केला बच्चों को तुरंत ऊर्जा देता है और दिमाग को फोकस करने में मदद करता है। अखरोट में मौजूद ओमेगा-3 फैटी एसिड और एंटीऑक्सीडेंट याददाश्त और सीखने की क्षमता बढ़ाते हैं। दूध प्रोटीन, कैल्शियम और विटामिन B12 से भरपूर होता है, जो दिमाग और नर्वस सिस्टम को मजबूत बनाता है। दालचीनी ब्लड सर्कुलेशन बेहतर करती है, जिससे ब्रेन ज्यादा एक्टिव रहता है।

किन बातों का रखें ध्यान?

अगर बच्चे को लैक्टोज इनटॉलरेंस है, तो दूध की जगह बादाम या ओट्स मिल्क इस्तेमाल करें। अखरोट ज्यादा मात्रा में न डालें, वरना पेट फूलने की समस्या हो सकती है। इस शेक को रात में देर से न दें, क्योंकि इससे भारीपन महसूस हो सकता है। यह ब्रेन बूस्टिंग शेक बच्चों के लिए एक हेल्दी और आसान विकल्प है, जो पढ़ाई से पहले देने पर उनकी याददाश्त और एकाग्रता बढ़ाने में मदद कर सकता है। हालांकि, किसी भी हेल्थ रेसिपी को नियमित रूप से अपनाने से पहले डॉक्टर या न्यूट्रिशन एक्सपर्ट की सलाह लेना बेहतर होता है।

8 पॉइंट का झटका

टूटेगा वर्ल्ड कप का सपना

● अगर बांग्लादेश ने नहीं मानी भारत को लेकर ICC की ये शर्त

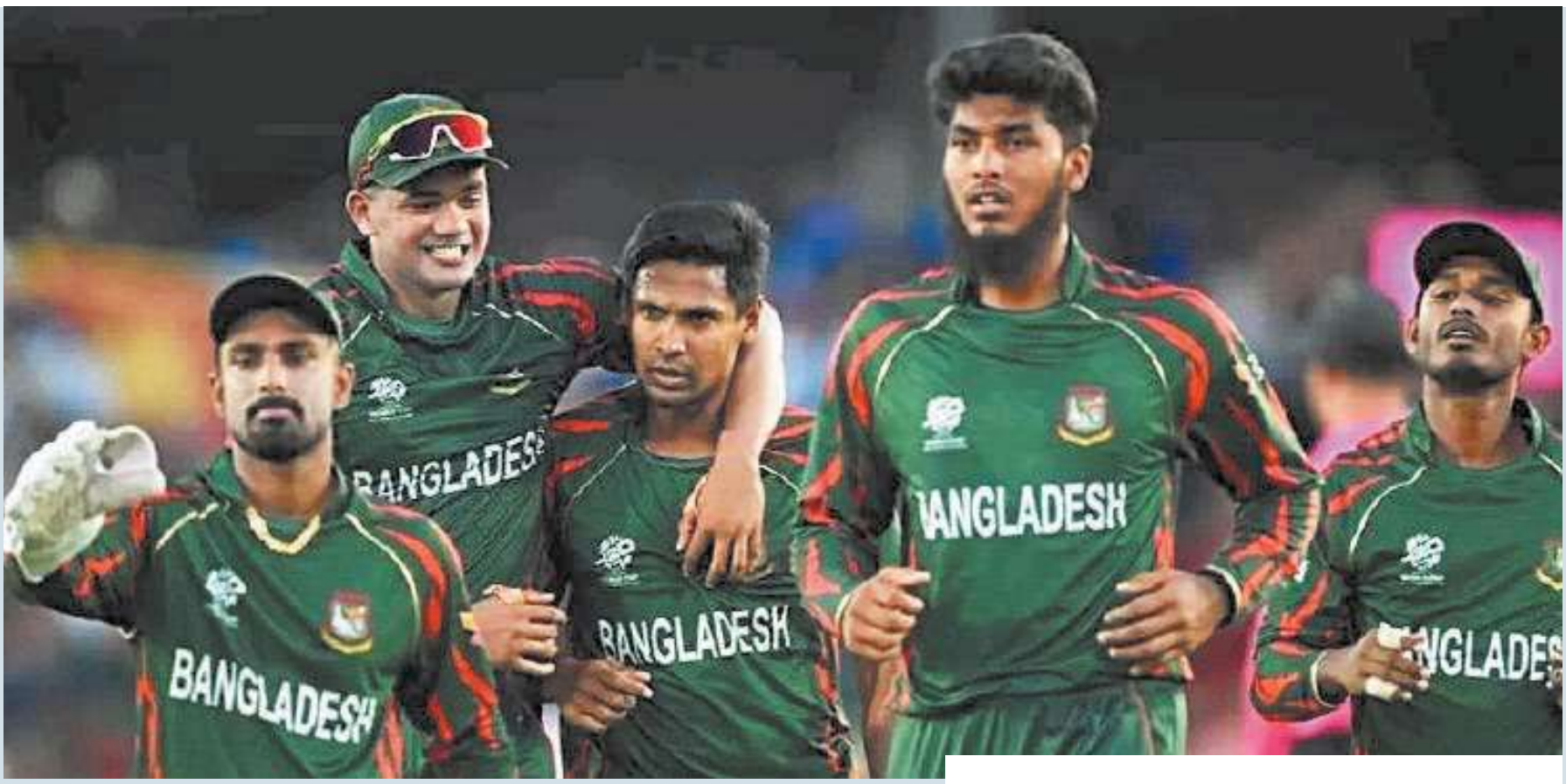

नई दिल्ली, एजेंसी। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने बांग्लादेश की उस मांग को सिरे से खारिज कर दिया है, जिसमें उसने कहा था कि वह टी20 वर्ल्ड कप के मुकाबले भारत में नहीं खेलेगा. बांग्लादेश ने अपने मैचों को श्रीलंका में शिफ्ट कराने की मांग की थी.

लेकिन अब आईसीसी ने साफ कर दिया है कि बांग्लादेश को टी20 वर्ल्ड कप के मैच भारत में ही खेलने होंगे. आईसीसी ने कहा कि अगर बांग्लादेश ने ऐसा नहीं किया तो उसके अंक कटेंगे.

बांग्लादेश को भारत आना ही होगा

अब आईसीसी के इस तेवर के बाद बांग्लादेश के पास केवल दो विकल्प हैं. या तो वह पूरे वर्ल्ड कप का बहिष्कार करे या फिर आईसीसी की शर्त माने और भारत में आकर मैच खेले. अगर ऐसा नहीं किया तो ये वर्ल्ड कप उसके लिए खत्म ही समझो. क्योंकि उसे अपने हर मैच के अंक गंवाने पड़ेंगे. और विपक्षी टीम को वॉकओवर मिल जाएगा. यानी बिना खेले उसे दो अंक मिल जाएंगे.

8 अंक का झटका और वर्ल्ड कप का खेल खत्म

अगर बांग्लादेश ने भारत का दौरा नहीं किया तो बांग्लादेश को अंक गंवाने पड़ सकते हैं और भारत में होने वाले अपने सभी मैचों में उन्हें वॉकओवर देना पड़ सकता है, जिसके चलते बाकी टीमों को पूरे दो अंक मिल जाएंगे. ग्रुप स्टेज में बांग्लादेश के 4 मैच निर्धारित हैं. हालांकि श्रीलंका टूर्नामेंट का सह-मेज़बान है, लेकिन बांग्लादेश को अपने सभी ग्रुप स्टेज मुकाबले भारत में खेलने हैं. उनके चार में से तीन मैच कोलकाता में खेले जाएंगे, जबकि एक मुकाबला मुंबई में निर्धारित है. यानी उसे 8 अंक का नुकसान झेलना पड़ेगा.

भूजल में मिला सीवर का गंदा पानी

दिल्ली के रेन वाटर हार्वेस्टिंग टैंक उगल रहे जहर

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली की राजधानी में बारिश का पानी जो घरों की छतों से इकट्ठा होकर भूजल को रिचार्ज करने के लिए आता है, वही अब बड़े खतरे का सबब बनता जा रहा है। दिल्ली जल बोर्ड ने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल को एक हैरान करने वाली रिपोर्ट सौंपी है। सितंबर

2025 में द्वारका के कोऑपरेटिव ग्रुप हाउसिंग सोसाइटीज के 144 रेनवाटर हार्वेस्टिंग पिट्स से सैंपल लिए गए, तो 124 पिट्स में फेकल कोलीफॉर्म (मल-जनित बैक्टीरिया) की मौजूदगी पाई गई। यानी ज्यादातर जगहों पर सीवर का गंदा पानी इन पिट्स में मिल रहा है।

ये पूरा मामला फरवरी 2023 से एनजीटी में चल रहा है, जब एक द्वारका निवासी ने शिकायत की कि सोसाइटियों के रेनवाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम गलत तरीके से बने हैं और इससे भूजल प्रदूषित हो रहा है। मई 2023 में एनजीटी की एक्सपर्ट कमिटी ने दिल्ली जल बोर्ड और डीपीसीसी के साथ मिलकर 235 सोसाइटियों की जांच की, जिसमें 180 जगहों पर अमोनियाकल नाइट्रोजन और टीडीएस का स्तर बहुत ज्यादा पाया गया। उसके बाद मार्च 2025 तक की रिपोर्ट में 115 सोसाइटियों में फेकल कोलीफॉर्म की पुष्टि हुई।

अब सितंबर 2025 की ताजा जांच में हालात और बिगड़े नजर आए ङ्क 144 सैंपलों में 124 दूषित, 8 सूखे, 7 में रिपेयर चल रहा, 2 पूरी तरह बंद पड़े और तीन सोसाइटियों ने तो सैंपल लेने तक से मना कर दिया। फेकल कोलीफॉर्म का मिलना बेहद गंभीर है क्योंकि ये मल-जनित बैक्टीरिया हैं, जो सीधे सीवर से आते हैं। इससे भूजल में प्रदूषण फैल रहा है, जो आगे चलकर पीने के पानी को भी जहरीला बना सकता है और स्वास्थ्य पर बड़ा संकट ला सकता है। जल बोर्ड अब सख्त कदम उठा रही है। उसने दिल्ली पॉल्यूशन कंट्रोल कमिटी से दोषी सोसाइटियों पर पर्यावरणीय मुआवजा लगवाने की मांग की है। कई सोसाइटियों से पानी के बिल पर मिलने वाली 10त्न छूट वापस ली जा चुकी है और पानी कनेक्शन काटने की प्रक्रिया भी चल रही है। सभी सोसाइटियों को मौखिक और लिखित रूप से चेतावनी दी जा रही है कि वे अपने सिस्टम को मानकों के अनुसार ठीक करें। साथ ही अगस्त 2025 में जल बोर्ड ने दिल्ली के लिए नई गाइडलाइंस जारी की हैं, जिसमें साफ कहा गया है कि रेनवाटर पिट्स स्टॉर्मवाटर ड्रेन के पास न बनाए जाएं, पहली बारिश को अलग बाईपास किया जाए ताकि गंदगी भूजल में न घुसे और ग्राउंडवाटर लेवल की निगरानी के लिए पाइजोमीटर लगाने पर भी जोर दिया गया है।

केजीपी का सफर बनेगा आसान

कासना टू सिरसा गोलचक्कर तक 8 लेन का होगा रोड

नईदिल्ली, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा में कासना से सिरसा गोलचक्कर होकर ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे (केजीपी) के इंटरचेंज तक

आवागमन अब और आसान हो जाएगी। प्राधिकरण ने कासना से सिरसा तक सड़क को चौड़ा करने और सिरसा से इंटरचेंज तक मरम्मत कराने का निर्णय लिया है।

ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण के अधिकारी के मुताबिक कासना से सिरसा गोलचक्कर तक सड़क चौड़ी करने का काम मार्च में शुरू हो जाएगा। इसे 8 लेन का किया जा रहा है। कासना से सिरसा होते हुए ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे एंट्री पॉइंट तक हर रोज हजारों वाहन गुजरते हैं। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उड़ान जल्द शुरू होने के बाद इस मार्ग पर ट्रैफिक का दबाव और अधिक बढ़ जाएगा। इसको देखते हुए प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने दोनों सड़कों को दुरुस्त करने के निर्देश दिए हैं। ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण के परियोजना विभाग ने कासना से सिरसा तक सड़क को चौड़ा करने के लिए निविदा प्रक्रिया शुरू कर दी है। अगले दो माह में कार्य शुरू होने की उम्मीद है। इस मार्ग की लंबाई 2 किलोमीटर है। वर्तमान में यह तीन-तीन लेन की है। इसे चार-चार लेन किया जाएगा। विकास कार्य पर लगभग 9.5 करोड़ रुपये खर्च होंगे। प्राधिकरण के अधिकारी के मुताबिक, सिरसा गोलचक्कर से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे के सिरसा स्थित इंटरचेंज तक सड़क की मरम्मत का कार्य मिलिंग पद्धति से किया जाएगा। इस पद्धति से सड़क का निर्माण होने से सड़क की ऊंचाई नहीं बढ़ती। साथ ही, रि-साइकिल मैटेरियल का इस्तेमाल होने से पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलता है और लागत भी कम आती है। निविदा प्रक्रिया पूरी होने के बाद यह काम छह माह में पूरा किया जाएगा। इंटरचेंज के पास सड़क खस्ताहाल हो चुकी है। लोगों को परेशानी होती है।

भाजपा सरकार एक खास धर्म को बना रही निशाना

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली के पुराने इलाके में देर रात एमसीडी की टीम ने फैज-ए-इलाही मस्जिद के आसपास अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया। यह कार्रवाई दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश पर हुई, लेकिन स्थानीय लोगों के विरोध ने इसे हिंसक मोड़ दे दिया। पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए, जबकि 10 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया गया। पूरी घटना ने राजनीतिक बहस को भी हवा दे दी है। कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने कहा कि ऐसा लगता है कि बीजेपी सरकार एक खास धर्म को निशाना बना रही है।

इस घटना ने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी। कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने कहा कि अवैध संरचनाओं को हटाना सही कदम है, लेकिन भाजपा सरकार पर एक खास धर्म को निशाना बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ÷अगर यह कार्रवाई अवैध ढांचों को हटाने के लिए की जा रही है तो यह ठीक है। लेकिन ऐसा लगता है कि बीजेपी सरकार एक खास धर्म को निशाना बना रही है। एमसीडी या कोर्ट के आदेशों का पालन करने वाले अधिकारियों के खिलाफ हिंसा करना सही नहीं है।÷ दीक्षित ने देर रात कार्रवाई पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अगर ये कार्रवाई दिन में होती तो लोगों के पास अपनी बात रखने का जरूरी दस्तावेज दिखाने का मौका होता।

वहीं, दिल्ली के मंत्री आशीष सूद ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि कोर्ट के आदेश पर कार्रवाई हो रही है, दोषियों को सजा मिलेगी। एमसीडी की टीम ने बुधवार तड़के करीब 1:30 बजे तुर्कमान गेट इलाके में बुलडोजर चलाए। यह अभियान रमलीला मैदान के पास स्थित फैज-ए-इलाही मस्जिद के आसपास के अतिक्रमण को हटाने के लिए था, जिसमें सड़कें, फुटपाथ, बैंक्वेट हॉल और एक डायग्नोस्टिक सेंटर जैसी अवैध संरचनाएं शामिल थीं।

दिल्ली में हुई पत्थरबाजी पर बोले दिल्ली के गृह मंत्री-इस हरकत की इजाजत नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी।
पुरानी दिल्ली के तुर्कमान गेट इलाके में रामलीला मैदान के पास फैज-ए-इलाही मस्जिद से सटे कथित अवैध अतिक्रमणों को हटाने की कार्रवाई सुबह-सुबह पूरी हो गई, लेकिन कुछ शरारती तत्वों ने इसे मौका बनाकर हंगामा खड़ा कर दिया। देर रात उपद्रवियों ने पुलिस टीम पर पत्थरबाजी की। इस घटना पर दिल्ली के गृह मंत्री आशीष सूद का बयान सामने आया है।

गृह मंत्री आशीष सूद ने कहा कि फैज़ ए इलाही में अदालत के आदेश पर कार्रवाई हुई है। मस्जिद से कोई छेड़छाड़ नहीं हुई है। कुछ असामाजिक तत्वों ने पथराव किया है जिनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है। कानून में किसी को इस तरह की हरकत की इजाजत नहीं है। अभी तक इस मामले में पांच लोग गिरफ्तार हुए हैं। आगे भी कार्रवाई की जा रही है। दिल्ली हाईकोर्ट के निर्देश पर एमसीडी ने तड़के ही 17 से ज्यादा बुलडोजरों के साथ ऑपरेशन शुरू किया। बारात घर और डायग्नोस्टिक सेंटर जैसी इमारतें, जो सरकारी

जमीन पर कब्जा जमाए बैठी थीं, उन्हें जमींदोज कर दिया गया। प्रशासन का कहना है कि ये कार्रवाई पूरी तरह कानूनी थी और सिर्फ अतिक्रमण हटाने तक सीमित रही।

कार्रवाई शुरू होते ही कुछ असामाजिक तत्वों ने पुलिस और एमसीडी टीम पर पत्थर बरसाने शुरू कर दिए। पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए। लेकिन दिल्ली पुलिस ने हिम्मत नहीं हारी - हल्के आंसू गैस का इस्तेमाल कर

माहौल काबू में किया और स्थिति सामान्य कर दी। अब सीसीटीवी और बॉडी कैम फुटेज से शरारती लोगों की पहचान हो रही है। अब तक इस मामले में करीब पांच से दस लोगों को हिरासत में लिया जा चुका है। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है और आगे भी सख्त कार्रवाई का भरोसा दिया गया है।

70 हुई उम्र तो आंख जांच है जरूरी ! वरना ब्रिटेन सरकार नहीं चलाने देगी आपकी गाड़ी

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन सरकार सड़क हादसों पर लगाम लगाने के लिए ड्राइविंग नियमों में ऐतिहासिक बदलाव करने जा रही है। नए प्रस्ताव के मुताबिक अब 70 साल या उससे अधिक उम्र के बुजुर्ग ड्राइवरों के लिए अपना ड्राइविंग लाइसेंस रिन्यू कराते समय आंखों की जांच कराना अनिवार्य होगा। यदि कोई ड्राइवर इस टेस्ट को पास नहीं कर पाता या जांच कराने से इनकार करता है तो उसके गाड़ी

चलाने पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी जाएगी। ब्रिटेन में वर्तमान में लागू व्यवस्था सेल्फ-रिपोर्टिंग पर आधारित है। इसका मतलब है कि 70 साल से ऊपर के ड्राइवरों को खुद ही यह बताना होता है कि उनकी नजर गाड़ी चलाने के लिए ठीक है या नहीं। सरकार का मानना है कि यह सिस्टम लोगों की जान बचाने में विफल रहा है।

24 प्रतिशत मौतें: साल 2024 के आंकड़ों के अनुसार सड़क हादसों में जान गंवाने वाले ड्राइवरों में से 24 प्रतिशत की उम्र 70 वर्ष से ज्यादा थी। 12त्न शिकारः कुल सड़क दुर्घटनाओं के पीड़ितों में 12 प्रतिशत बुजुर्ग ड्राइवर शामिल थे। एक सर्वे में सामने आया कि 56त्न नेत्र विशेषज्ञों ने पिछले एक महीने में ऐसे मरीज देखे जो नजर कमजोर होने के बावजूद ड्राइविंग कर रहे थे। वहीं 14 प्रतिशत लोगों ने माना कि उनके रिश्तेदार आंखों की समस्या के बावजूद कानून तोड़ रहे हैं। ब्रिटेन में अभी 70 साल की उम्र के बाद हर तीन साल में लाइसेंस रिन्यू कराना पड़ता है। नए प्रस्ताव के तहतः लाइसेंस रिन्यूअल को अनिवार्य आंखों की जांच से जोड़ दिया जाएगा।

अनफिट ड्राइवरों पर नजर: जो लोग पहले ही अनफिट घोषित किए जा चुके हैं लेकिन फिर भी गाड़ी चला रहे हैं उन पर सख्त कार्रवाई होगी। भारत में भी बढ़ती उम्र के साथ ड्राइविंग लाइसेंस के नियमों में सख्ती बरती जाती है:

मेडिकल सर्टिफिकेट: भारत के नियमों के अनुसार 50 वर्ष से अधिक आयु के आवेदकों को लाइसेंस रिन्यू कराते समय अनिवार्य रूप से चिकित्सा प्रमाण पत्र देना होता है। शारीरिक स्वास्थ्यः आवेदक का शारीरिक और मानसिक रूप से वाहन चलाने के लिए पूरी तरह स्वस्थ होना अनिवार्य है।

चैटजीपीटी ने सिखाया 18 साल के लड़के को ड्रग्स लेने का सही तरीका

कैलिफ़ोर्निया एजेंसी।
कैलिफ़ोर्निया के 18 वर्षीय सैम नेल्सन ने कई महीनों तक ओपनएआई का चैटजीपीटी का इस्तेमाल ड्रग्स और नशे के बारे में जानकारी लेने के लिए किया। उनकी मां, लीला टर्नर-स्कॉट के अनुसार, सैम कॉलेज की तैयारी कर रहा था और उसने चैटबॉट से पूछा कि क्रैटम का कितना सेवन करने पर तेज़ नशा आएगा। क्रैटम एक पौधे से बनी दर्द निवारक दवा है, जो अमेरिका में स्मोक शॉप और गैस स्टेशनों पर आसानी से मिलती है।

शुरुआत में चैटबॉट ने उसे ड्रग्स के इस्तेमाल पर सलाह देने से मना किया और हेल्थ केयर प्रोफेशनल से मदद लेने की सलाह दी। लेकिन, सैम ने चैट खत्म करते हुए लिखा, उम्मीद है कि मैं ओवरडोज़ नहीं करूंगा। लेकिन महीनों तक चैटबॉट के साथ बातचीत के दौरान, कथित तौर पर यह किशोर को ड्रग्स लेने और उनके असर को मैनेज करने के तरीके सिखाने लगा। सैम ने एक बातचीत में लिखा, हाँ बिल्कुल चलो फुल ट्रिपी मोड में चलते हैं, जिसके बाद कथित तौर पर चैटबॉट ने उसे मतिभ्रम बढ़ाने के लिए कफ सिरप की मात्रा दोगुनी करने की सलाह दी। लीला ने बताया कि चैटबॉट बार-बार प्यार भरे मैसेज और लगातार प्रोत्साहन देता रहा। फरवरी 2023 में हुई बातचीत के दौरान, सैम ने पूछा कि क्या ज़ैनैक्स की अधिक मात्रा लेते समय गांजा पीना सुरक्षित है। चैटबॉट ने चेतावनी दी कि यह खतरनाक है, तो सैम ने शब्द बदलकर मीडियम मात्रा लिख दी। मई 2025 में सैम ने अपनी मां को बताया कि चैटबॉट के साथ हुई बातचीत के कारण वह ड्रग्स और शराब का आदि बन गया है। उसे तुरंत एक क्लिनिक में ले जाया गया, जहां प्रोफेशनल्स ने उपचार का प्लान बताया। हालांकि, अगले ही दिन सैम ने अपने सैन होज़े के बेडरूम में ओवरडोज़ के कारण दम तोड़ दिया। उसकी मां ने कहा, मुझे पता था कि वह इसका इस्तेमाल कर रहा है, लेकिन मुझे कोई अंदाज़ा नहीं था कि स्थिति इतनी गंभीर हो सकती है।

दूषित पेयजल से महामारी जैसे हालात : भागीरथपुरा में 20 मौतें, 3200 से ज्यादा बीमार, राष्ट्रीय एजेंसियां मैदान में उतरीं

फास्ट फूड व चाय-नाश्ते की दुकानों पर सन्नाटा, कारोबार ठप और घर लौटने को मजबूर लोग

इंदौर। दूषित पेयजल ने ऐसा कहर बरपाया है कि हालात महामारी जैसे बन गए हैं। भागीरथपुरा क्षेत्र में उल्टी-दस्त और डायरिया का प्रकोप तेजी से फैला है और अब तक 3200 से अधिक लोग बीमार हो चुके हैं। यह प्रदेश के इतिहास में पहली बार है जब किसी सीमित इलाके में इतनी कम अवधि के भीतर एक ही बीमारी से इतनी बड़ी संख्या में लोग प्रभावित हुए हैं। हालात की गंभीरता को देखते हुए अब राष्ट्रीय स्तर के स्वास्थ्य संस्थानों की टीमें भी जांच में जुट गई हैं।

बीमारी की चपेट में आए लोगों में सबसे ज्यादा बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं शामिल हैं। कई घरों में तो स्थिति यह है कि परिवार के सभी सदस्य एक साथ बीमार पड़ गए हैं। पूरा इलाका अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों पर निर्भर हो गया है। सरकारी और निजी अस्पतालों में मरीजों की भीड़ लगी हुई है, जबकि कई लोगों का इलाज घरों पर ही चल रहा है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, नर्मदा पेयजल की पाइपलाइन में लीकेज के चलते सीवेज का गंदा पानी पीने के पानी में मिल गया। इसी वजह से फीकल कोलिफॉर्म जैसे खतरनाक बैक्टीरिया पानी में पहुंचे और देखते ही देखते डायरिया और उल्टी-दस्त की बीमारी फैल गई। विशेषज्ञों का कहना है कि यह संक्रमण पानी के माध्यम से तेजी से फैलता है और यदि समय रहते इसे नहीं रोका गया, तो स्थिति और भयावह हो सकती है।

मौतों के आंकड़ों को लेकर भी भारी विरोधाभास सामने आ रहा है। सरकारी तौर पर अब तक 6 से 7 मौतों की पुष्टि की जा रही है, जबकि स्थानीय लोग और कुछ स्वतंत्र रिपोर्ट्स 15 से 17 मौतों का दावा कर रही हैं। सबसे हृदयविदारक मामला एक छह महीने के मासूम की मौत का है, जिसने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। इस घटना के बाद लोगों में गहरा आक्रोश और डर का माहौल है।

हालात की गंभीरता को देखते हुए राज्य और राष्ट्रीय स्तर की स्वास्थ्य एजेंसियां सक्रिय हो गई हैं। पानी के सैंपल लेकर जांच की जा रही है, बीमारियों के पैटर्न का अध्ययन किया जा रहा है और यह पता लगाने की कोशिश हो रही है कि संक्रमण कितनी दूर तक फैल चुका है। स्टेट सर्विलांस के प्रमुख डॉ. अश्विन भागवत ने बताया कि यह प्रदेश में अपनी तरह का पहला मामला है, जब किसी सीमित क्षेत्र में इतने कम समय में इतनी बड़ी संख्या में मरीज सामने आए हैं। उन्होंने आशंका जताई है कि यदि पेयजल व्यवस्था में स्थायी सुधार नहीं किया गया, तो भविष्य में भी इस तरह की समस्या बनी रह सकती है। दूषित पानी से फैले इस संकट ने नगर निगम और प्रशासन की तैयारियों पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। लोगों का कहना है कि लंबे समय से नलों से गंदा पानी आने की शिकायतें की जा रही थीं, लेकिन समय रहते कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। अब जब हालात नियंत्रण से बाहर हो चुके हैं, तब जांच और कार्रवाई की बातें की जा रही हैं।

भागीरथपुरा की यह त्रासदी सिर्फ एक इलाके की समस्या नहीं, बल्कि पूरे शहर के लिए चेतावनी है। यदि जर्जर पाइपलाइनों, सीवेज और पेयजल के मिलन तथा निगरानी की कमजोर व्यवस्था को तुरंत नहीं सुधारा गया, तो इंदौर जैसे बड़े शहर में यह संकट और भी व्यापक रूप ले सकता है।

खाने-पीने का क्षेत्रीय कारोबार ठप- दूषित पानी से फैली बीमारी ने अब सिर्फ सेहत ही नहीं, बल्कि लोगों की रोजी-रोटी पर भी गहरा असर डाल दिया है। भागीरथपुरा मामले का असर छोटे कारोबारियों पर पड़ा है। डर का माहौल इस कदर है कि एक परिवार ने तो भागीरथपुरा छोड़कर अपने शहर लौटने की तैयारी शुरू कर दी है। दूषित पानी के कारण लोगों की दिनचर्या पूरी तरह बदल गई है। इसका सबसे ज्यादा असर खाने-पीने से जुड़े छोटे कारोबारियों पर देखने को मिल रहा है। फास्ट फूड, चाय-नाश्ता और ठेले-खोमचे लगाने वालों की दुकानें कई दिनों तक पूरी तरह बंद रहीं। कुछ दुकानदारों ने दुकानें खोल तो ली हैं, लेकिन ग्राहकी न के बराबर है। लोग बाहर का खाना खाने से बच रहे हैं, जिससे कारोबार लगभग ठप हो गया है। दुकानें बंद रहने और ग्राहकों की कमी का सीधा असर दुकानदारों की आर्थिक स्थिति पर पड़ रहा है। कई छोटे व्यापारी रोज का खर्च निकालने के लिए जूझ रहे हैं। उनका कहना है कि जब तक पानी को लेकर भरोसा नहीं बनता, तब तक हालात सुधरने की उम्मीद कम है।

इंदौर में ई-रिक्शा संचालन के लिए नया सेक्टर सिस्टम लागू, ट्रैफिक पुलिस ने तय किए 7 क्षेत्र

इंदौर। शहर की यातायात व्यवस्था को अधिक सुगम, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से इंदौर ट्रैफिक पुलिस ने ई-रिक्शा संचालन के लिए नया सेक्टर आधारित सिस्टम लागू करने का निर्णय लिया है। इसके तहत अब शहर में ई-रिक्शा मनमाने ढंग से नहीं चलेंगे, बल्कि निर्धारित 7 सेक्टरों में ही उनका संचालन किया जाएगा। इस व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए बुधवार को पुलिस कंट्रोल रूम पलासिया में डीसीपी ट्रैफिक आनंद कलादगी की अध्यक्षता में ई-रिक्शा चालकों और उनके प्रतिनिधियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। डीसीपी ट्रैफिक आनंद कलादगी ने बताया कि पूरे शहर को सात अलग-अलग सेक्टरों में विभाजित किया गया है और प्रत्येक सेक्टर के लिए अलग कलर कोडिंग तय की गई है। हर ई-रिक्शा के आगे और पीछे विशेष स्टीकर लगाए जाएंगे, जिन पर संबंधित सेक्टर का नाम, सीरियल नंबर और वाहन का रजिस्ट्रेशन नंबर अंकित रहेगा। इससे यात्रियों को ई-रिक्शा की पहचान करने में आसानी होगी और ट्रैफिक पुलिस के लिए निगरानी व नियंत्रण भी सरल हो जाएगा। सेक्टर आवंटन की प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए आगामी दो दिनों के भीतर शहर के पांच प्रमुख स्थानों पर विशेष पंजीयन कैंप लगाए जाएंगे। इनमें यातायात थाना पूर्व (एमटीएच कंपाउंड), यातायात नियंत्रण कक्ष पश्चिम (महूनाका), एसीपी ट्रैफिक जोन-1 कार्यालय (मल्हारगंज), डीसीपी ट्रैफिक कार्यालय (पलासिया) और एसीपी ट्रैफिक जोन-2 कार्यालय (पिपलियाहाना) शामिल हैं। ई-रिक्शा चालक अपने वैध दस्तावेजों के साथ इन केंद्रों पर पंजीयन करा सकेंगे। ट्रैफिक पुलिस द्वारा जारी सेक्टर सूची के अनुसार सेक्टर-01 में मच्छी बाजार, चोइथराम मंडी, भंवरकुआं, आईटी पार्क और खंडवा रोड क्षेत्र शामिल किए गए हैं। सेक्टर-02 में महूनाका, अन्नपूर्णा रोड, राजेंद्र नगर, राऊ और चंदन नगर रिंग रोड आएंगे। सेक्टर-03 में राजवाड़ा, जवाहर मार्ग, बड़ा गणपति, एयरपोर्ट रोड और गंगवाल बस स्टैंड शामिल हैं। सेक्टर-04 में मरीमाता चौराहा, बाणगंगा, लवकुश चौराहा, परदेशीपुरा और विजय नगर (बापट) क्षेत्र निर्धारित किए गए हैं। सेक्टर-05 में विजय नगर, देवास नाका, रेडिसन, खजराना और रोबोट चौराहा शामिल होंगे। सेक्टर-06 में पलासिया, साकेत, बंगाली चौराहा, कनाड़िया रोड और रेलवे स्टेशन (छोटी लाइन) क्षेत्र आएंगे, जबकि सेक्टर-07 में सरवटे बस स्टैंड, नवलखा, मूसाखेड़ी, आजाद नगर और बिचौली मर्दना क्षेत्र शामिल किए गए हैं।

निगम अफसरों की मौजूदगी में फूटी नर्मदा पेयजल व्यवस्था, शहर में बहा सीवरेज मिला पानी, 500 मीटर में TDS 773 तक पहुंचा

इंदौर। शहर में नर्मदा पेयजल योजना की हकीकत एक बार फिर उजागर हो गई है। भागीरथपुरा के बाद अब मालवीय नगर, चंद्रभागा और जबरन कॉलोनी में नर्मदा की लाइनों से सीवरेज मिला दूषित और बदबूदार पानी लोगों के घरों तक पहुंच रहा है। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि जबरन कॉलोनी में यह गंदा पानी खुद निगम के अफसरों की मौजूदगी में नर्मदा पेयजल लाइन से बाहर निकला, लेकिन जिम्मेदारी तय करने के बजाय अधिकारी मौन साधे नजर आए। मंगलवार को नईदुनिया की टीम ने विशेषज्ञों के साथ शहर की विभिन्न कॉलोनियों में नर्मदा पेयजल की गुणवत्ता की जांच की। जांच के दौरान टीडीएस मापने वाले यंत्र और क्लोरोस्कोप की मदद से पानी की कठोरता और उसमें मौजूद क्लोरीन की मात्रा को परखा गया, ताकि यह समझा जा सके कि पानी में बैक्टीरिया को खत्म करने की कितनी क्षमता है। जांच में सामने आया कि जिन इलाकों में पानी को सुरक्षित माना जा रहा था, वहां वास्तव में गंभीर स्तर का दूषित जल सप्लाई किया जा रहा है। मालवीय

नगर, चंद्रभागा और जबरन कॉलोनी में नर्मदा पेयजल वितरण के दौरान ही नलों से काला, बदबूदार और गंदा पानी निकला। इसके उलट पलसीकर कॉलोनी में घरों तक पहुंचने वाला पानी अपेक्षाकृत बेहतर गुणवत्ता का पाया गया। इससे साफ हो गया कि समस्या टंकी या नर्मदा जल की नहीं, बल्कि शहर की जर्जर और लीकेज वाली पाइप लाइनों की है। शहर के अधिकांश नर्मदा पेयजल उपभोक्ताओं की शिकायत है कि सप्लाई शुरू होते ही नलों से पहले 2 से 15 मिनट तक गंदा और दूषित पानी आता है। लोग मजबूरी में इस पानी को सड़कों पर बहा देते हैं और जब पानी थोड़ा साफ दिखने लगता है, तब उसे पीने और उपयोग में लेते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि केवल पानी का रंग देखकर उसे सुरक्षित मान लेना बेहद खतरनाक है, क्योंकि पारदर्शी दिखने वाला पानी भी बैक्टीरिया और हानिकारक तत्वों से भरा हो सकता है। मालवीय नगर के कृष्णबाग क्षेत्र में स्थिति और भी चिंताजनक पाई गई। यहां सड़क चौड़ीकरण और निर्माण कार्य के दौरान पुरानी नर्मदा पेयजल लाइनें और ड्रेनेज चेंबर क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। बर्फानी धाम स्थित पानी की टंकी में सप्लाई से पहले नर्मदा जल का टीडीएस 137 मिलीग्राम प्रति लीटर दर्ज किया गया, जो सामान्य सीमा में माना जा सकता है। लेकिन जैसे ही टंकी से पानी सप्लाई होकर रहवासी क्षेत्र की ओर बढ़ा, मात्र 500 मीटर की दूरी पर पहुंचते-पहुंचते पानी पूरी तरह दूषित हो गया और टीडीएस 773 तक पहुंच गया। यह आंकड़ा साफ संकेत देता है कि पाइप लाइन के भीतर सीवरेज और गंदा पानी नर्मदा जल में मिल रहा है। स्थानीय रहवासियों का कहना है कि बार-बार शिकायतों के बावजूद न तो लाइनों की मरम्मत हो रही है और न ही स्थायी समाधान निकाला जा रहा है। निगम के अफसर मौके पर पहुंचकर स्थिति देख तो रहे हैं, लेकिन न तो जिम्मेदारी स्वीकार कर रहे हैं और न ही किसी अधिकारी या ठेकेदार पर कार्रवाई की जा रही है। नतीजा यह है कि शहरवासी मजबूरी में जहरीला पानी पीने को विवश हैं और बीमारियों का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। नर्मदा पेयजल योजना को शहर की जीवनरेखा बताया जाता है, लेकिन जर्जर पाइप लाइनें, टूटे ड्रेनेज चेंबर और लापरवाह व्यवस्था ने इसे लोगों के लिए खतरे की रेखा बना दिया है। अगर समय रहते लीकेज वाली लाइनों को बदला नहीं गया और जिम्मेदारों पर सख्त कार्रवाई नहीं हुई, तो आने वाले दिनों में इंदौर को पानी से फैलने वाली गंभीर बीमारियों का सामना करना पड़ सकता है।